University of Lucknow | Centenary Year
लखनऊ विश्वविद्यालय | शताब्दी वर्ष

University in News on 27 November 2020

AMAR UJALA MY CITY PAGE 5

लविवि : मेडल लिस्ट में छाईं बेटियां

एमएससी की हर्षिता को चांसलर सिल्वर के साथ 12 मेडल, विद्यार्थियों से सात दिसंबर तक मांगी आपत्ति

माई सिटी रिपोर्टर

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले मेडल में एक बार फिर बेटियों ने बाजी मारी है। विवि की ओर से बृहस्पतिवार को जारी विस्तृत मेडल लिस्ट में सर्वाधिक मेडल बेटियों ने झटके हैं। चांसलर सिल्वर मेडल पाने वाली एमएससी मैथ की छात्रा हर्षिता दुबे को 12 मेडल मिले हैं। हर्षिता के अलावा एमए एआईएच की सरिता यादव व एलएलबी की प्रगति श्रीवास्तव को आठ-आठ मेडल मिले हैं।

हर्षिता को मिलने वाले मेडल में डॉ. एएन सिंह गोल्ड मेडल, इकबाल नारायण श्रीवास्तव गोल्ड मेडल, माधुरी देवी मेमोरियल गोल्ड मेडल शामिल हैं। इसके साथ ही सरिता यादव एमए एआईएच को श्रीनिवासन वरदा चेयर गोल्ड मेडल, त्रिलोकी नाथ गुरतु मेमोरियल गोल्ड मेडल समेत आठ मेडल मिले हैं। प्रगति श्रीवास्तव एलएलबी को बाबू महावीर प्रसाद श्रीवास्तव मेमोरियल गोल्ड मेडल, द्वारिका प्रसाद निगम गोल्ड मेडल समेत आठ मेडल मिले हैं। इसी क्रम में जया कुमारी एमएससी फिजिक्स, अनम खान एमए सोशल वर्क व प्रियांशी राज एमए इकोनॉमिक्स को छह-छह, बीए की शांभवी पांडेय, एमएससी की शांभवी द्विवेदी, एमए हिस्ट्री की अदिति सिंह व एमपीए के मयंक कुमार को चार-चार मेडल मिले हैं। परीक्षा नियंत्रक प्रो. एएन सक्सेना ने बताया कि पूर्व में मेडल की अस्थयी सूची जारी की गई थी। अब विस्तृत सूची विवि की वेबसाइट पर अपलोड कर दी गई है। विद्यार्थी इस पर सात दिसंबर तक आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

दीक्षांत में दिए थे 15 मेडल, बाकी के लिए फिर होगा कार्यक्रम

लविवि ने 19 से 25 नवंबर तक शताब्दी समारोह के बीच 21 नवंबर को आयोजित दीक्षांत समारोह में चांसलर, चक्रवर्ती समेत 15 मेडल दिए गए थे। अब अन्य विद्यार्थियों के लिए अलग से विस्तृत समारोह कर उन्हें मेडल दिया जाएगा। विवि 182 मेडल देता है।

आईएएस बनकर करूंगी सेवा

मुझे लोगों की सेवा करनी है। इसके लिए मैं आईएएस बनना चाहती हूं। खासकर गरीब बच्चों की पढ़ाई के लिए काम करना है। आज के समय में शिक्षा काफी महत्वपूर्ण है। पिता शैलेंद्र दुबे अधिवक्ता व मां साधना दुबे गृहिणी हैं। मैं उनके सपने को साकार करूंगी। – हर्षिता दुबे

प्रोफेसर बनकर करूंगी शिक्षित

मैं प्रोफेसर बनकर लोगों को शिक्षित करना चाहती हूं। पिता राकेश यादव बाराबंकी में खेती करते हैं। मां शारदा देवी गृहिणी हैं। उन्होंने दिक्कत सहकर भी मुझे पढ़ाया है। मैं उनकी सेवा करना चाहती हूं। ग्रामीण क्षेत्र में सुविधाओं के लिए भी काम करना चाहती हूं। – सरिता यादव

अल्पसंख्यकों की शिक्षा के लिए काम करूंगी

मैं समाज सेवा के माध्यम से खासकर अल्पसंख्यकों की शिक्षा के लिए काम करना चाहती हूं। ग्रामीण क्षेत्र में अभी स्वास्थ्य के मुद्दों को लेकर बहुत जागरूकता नहीं है। उसके लिए भी काम करना है। पिता सलमान खालिद आईटी जॉब करते हैं। मां निखत फातिमा गृहिणी हैं। – अनम खान

महिला सशक्तीकरण के लिए करना है काम

मैं महिला सशक्तिकरण के लिए काम करना चाहती हूं। इसके लिए आईएएस बनूंगी। महिलाओं को इतना मजबूत बनाना है कि वे समाज के लिए कुछ अच्छा कर सकें। एक उदाहरण पेश कर सकें। पिता राजेश नारायण तिवारी शिक्षक व मां विनीता गृहिणी हैं। – जया कुमारी

शताब्दी समारोह के सफल आयोजन पर राज्यपाल ने दी बधाई

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के सफल आयोजन पर राज्यपाल व कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को बधाई दी है। इसके साथ ही उन्हें उपहार में भगवत गीता भेजी है।

विवि ने पिछले सात दिनों में विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम, कला व विज्ञान महोत्सव समेत दीक्षांत समारोह का भी आयोजन किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने भी वर्चुअली सहभागिता की थी। लविवि प्रशासन ने एक सप्ताह तक चले शताब्दी समारोह में शिक्षकों व कर्मचारियों की सक्रिय भागीदारी व कार्यक्रम के सफल आयोजन पर शनिवार 28 नवंबर को अवकाश घोषित किया है।

लविवि में 28 को रहेगा अवकाश

NBT PAGE 4

ईडब्ल्यूएस के लिए पीएचडी में बढ़ेंगी 30 सीटें

■ एनबीटी,लखनऊः एलयू में इस वर्ष से पीएचडी में तकरीबन 30 सीटों का इजाफा किया जाएगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि सीट की गणना अंतिम चरण में है।

दिसंबर के पहले सप्ताह में शुरू हो सकती है प्रवेश प्रक्रिया

बीते दिनों पीएचडी में ईडब्ल्यूएस वर्ग में आरक्षण न दिए जाने के कारण बड़ा विवाद हो गया था। विश्वविद्यालय ने आवेदन में विकल्प भरवाने के बाद भी गरीब सवर्णों को आरक्षण का लाभ नहीं दिया था। शुरुआती चरण में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बचने की कोशिश की गई, लेकिन अभ्यर्थियों की आपत्ति के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन को दाखिले की प्रक्रिया को रोकनी पड़ी थी। विवि ने समीक्षा की और इसके बाद आरक्षण को लागू करने का फैसला लिया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि जिन विभागों में 10 या उससे ज्यादा सीट हैं, उनमें ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। सीट का ब्योरा जल्द जारी किया जाएगी। उन्होंने बताया कि करीब 25 से 30 सीट बढ़ने की उम्मीद है।

i-NEXT PAGE 1, 2 & 6

सर्वाधिक 12 मेडल हर्षिता के नाम

lucknow@inext.co.in
LUCKNOW (26 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी ने दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले शेष मेडल की लिस्ट जारी की है, हालांकि लिस्ट अभी प्रस्तावित है, जिसे यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर अपलोड कर दिया गया है. प्रस्तावित लिस्ट पर स्टूडेंट्स 7 दिसंबर तक आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं.

174 मेडल की सूची जारी

एलयू प्रशासन ने 21 नवंबर को अपना 63वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया था. जिसमें गवर्नर आनंदीबेन पटेल ने मंच से 15 स्टूडेंट्स को मेडल दिए थे. शेष स्टूडेंट्स को मेडल बाद में विभाग स्तर पर दिए जाने थे. यूनिवर्सिटी के एग्जाम कंट्रोलर डॉ. एएम सक्सेना ने बताया कि दीक्षांत समारोह में मेडल की संख्या करीब 196 थी. जिसमें से 15 टॉपर्स को शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान दीक्षांत के मुख्य कार्यक्रम में मेडल दिए गए. अब 181 मेडल बचे हैं. सात मेडल ऐसे इस बार किसी को नहीं मिलेंगे,

इसे भी जानें

कुल मेडल	174
गर्ल्स को मेडल	137
बॉयज को मेडल	37

इन्हें मिलेंगे सर्वाधिक मेडल

● साइंस विभाग की हर्षिता दुबे को डॉ. एन सिंह, इकबाल नरायण श्रीवास्तव मेमोरियल समेत 12 गोल्ड मेडल. ● एआईएच विभाग की सरिता यादव को त्रिलोकीनाथ मेमोरियल, रायबहादुर प्रज्ञा दयाल समेत 10 गोल्ड मेडल. ● एमए की स्टूडेंट शांभवी को राधा कुमुंद मुखर्जी गोल्ड मेडल सहित कुल 10 मेडल दिए जाएंगे.

लखनऊ यूनिवर्सिटी में ग्रेजुएशन चार साल का!

CONCEPT PIC

i EXCLUSIVE

चार वर्षीय ग्रेजुएशन कोर्स शुरू करने वाली प्रदेश की पहली यूनिवर्सिटी होगी एलयू

shyamchandra.singh@inext.co.in
LUCKNOW (26 Nov): अगर सब ठीक रहा था अगले सेशन से एलयू में ग्रेजुएशन कोर्स चार साल का होगा. इसके लिए एलयू प्रशासन ने नई शिक्षा नीति के तहत अंडर ग्रेजुएट कोर्सेज में बदलाव की तैयारी शुरू कर दी है. यूनिवर्सिटी ने इसके लिए ऑर्डिनेंस तैयार को कमेटियों का गठन भी कर दिया है. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने शताब्दी वर्ष के अवसर पर यूजी में चार वर्षीय कोर्सेज के रोड मैप तैयार करने की घोषणा की है.

दो तरह के ऑर्डिनेंस पर काम

एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि नई शिक्षा नीति को लागू करने के लिए हमने कमेटियों का गठन किया है. हमारा सबसे ज्यादा फोकस यूजी कोर्सेज के ऑर्डिनेंस को लेकर है. इन कोर्सेज के ऑर्डिनेंस को हम तीन वर्ष और चार वर्ष दोनों को ध्यान में रखकर तैयार कर रहे हैं. अभी शासन स्तर से भी चार वर्ष के यूजी कोर्सेज के ऑर्डिनेंस पर काम चल रहा हैं. एक बार गाइडलाइन क्लियर हो जाए, इसके बाद हम तय करेंगे की कौन से यूजी में मौजूदा विकल्प ही स्टूडेंट्स को ऑफर किया जाएं या फिर दोनों ही विकल्प स्टूडेंट्स को दिए जाएं.

यूनिवर्सिटी रचेगी इतिहास » PG 2

यूनिवर्सिटी रचेगी इतिहास

LUCKNOW (26 Nov inext): वीसी प्रो. राय ने बताया कि हमने नई शिक्षा नीति के लगभग 60 फीसद सुझाव पहले ही अपने यहां पर लागू कर लिया हैं. अगर एलयू में चार वर्षीय यूजी कोर्स शुरू होते हैं तो यह देश में पहली यूनिवर्सिटी होगी. उन्होंने कहा कि 2021-22 के एडमिशन प्रक्रिया इसी नए ऑर्डिनेंस के तहत ही होंगे. इसके लिए हमारी कोशिश है कि अगले कुछ महीनों में हम यूजी कोर्सेज के ऑर्डिनेंस को जल्द से जल्द पूरा कर. इसे मंजूरी के लिए शासन को भेज दें.

"हम अपने लेवल से तीन व चार वर्षीय यूजी कोर्सेज संचालित करने का ऑर्डिनेंस तैयार कर रहे हैं. शासन जैसा निर्देश देगा हम उसी के अनुसार नया ऑर्डिनेंस लागू कर देंगे. प्रो. आलोक कुमार राय, वीसी, एलयू

यूजी कोर्सेज के लिए सुझाव

● नई शिक्षा नीति में स्टूडेंट्स को ग्रेजुएशन में चार साल का कोर्स होगा. ● इसमें भी विकल्प दिया गया है, जो स्टूडेंट्स ग्रेजुएशन के बाद नौकरी करना चाहते हैं और हायर एजुकेशन में नहीं जाना चाहते, उनके लिए तीन साल की डिग्री रखी गई है. ● रिसर्च में जाने वाले स्टूडेंट्स के लिए चार साल की डिग्री रखी गई है. चार साल की डिग्री करने वाले स्टूडेंट्स को एक साल में ही पीजी कर पाएंगे. ● अगर कोई स्टूडेंट्स इंजीनियरिंग कोर्स को दो साल में ही छोड़ देता है, तो उसे डिप्लोमा प्रदान किया जाएगा. ● पांच साल का ज्वाइंट ग्रेजुएट, मास्टर कोर्स लाया जाएगा. अगर चार साल के डिग्री कोर्स में कोई स्टूडेंट्स पहले साल में ही कॉलेज छोड़ देता है, तो उसे सर्टिफिकेट मिलेगा. ● जबकि दूसरे साल के बाद एडवांस सर्टिफिकेट और तीसरे साल के बाद छोड़ने पर डिग्री मिलेगी. ● अगर स्टूडेंट्स पूरे चार साल पढ़ेगा तो चार साल बाद की डिग्री उसे रिसर्च के साथ मिलेगी. इसी तरह से पोस्ट ग्रेजुएट में तीन तरह के विकल्प होंगे. कई अन्य सुझाव भी है.

सवर्ण आरक्षण से बढ़ेंगी 30 सीटें

एलयू में जल्द पीएचडी एडमिशन प्रक्रिया शुरू होगी

CONCEPT PIC

lucknow@inext.co.in
LUCKNOW (26 Nov): लखनऊ यूनिवर्सिटी में इस वर्ष से पीएचडी में करीब 30 सीटें बढ़ाई जाएंगी. आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के स्टूडेंट्स के लिए आरक्षण लागू होने से यह लाभ मिलेगा. वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि सीटों की गिनती का काम अंतिम चरण में है. दिसम्बर के पहले सप्ताह में पीएचडी में एडमिशन की प्रक्रिया दोबारा से शुरू कर दी जाएगी.

10 से अधिक सीटों पर आरक्षण

एलयू में बीते दिनों पीएचडी में ईडब्ल्यूएस वर्ग में आरक्षण न दिए जाने के कारण विवाद हुआ था. यूनिवर्सिटी ने आवेदन में विकल्प भरवाने के बाद भी गरीब सवर्णों को आरक्षण का लाभ नहीं दिया था. शुरुआती चरण में यूनिवर्सिटी प्रशासन के स्तर पर बचने की कोशिश की गई, लेकिन स्टूडेंट्स की आपत्ति के बाद यूनिवर्सिटी प्रशासन ने एडमिशन प्रक्रिया को रोक कर कमेटी बनाकर सवर्ण आरक्षण देने का निर्णय लिया. वीसी ने बताया कि जिन विभागों में 10 या उससे ज्यादा सीट हैं उनमें ईडब्ल्यूएस वर्ग के स्टूडेंट्स को आरक्षण का लाभ मिलेगा. सीट का ब्योरा जल्द जारी किया जाएगा. करीब 25 से 30 सीट बढ़ने की उम्मीद है.

4 को जारी हो सकती है मेरिट

एलयू के पीजी कोर्सेज में एडमिशन के लिए मेरिट जारी करने का लक्ष्य 4 दिसंबर निर्धारित किया गया है. कई विषयों की मेरिट भी तैयार हो गई है.

कहां कितनी सीटें

विभाग	खाली सीटें
इकोनॉमिक्स	16
अंग्रेजी	21
हिन्दी	40
पर्शियन	10
दर्शनशास्त्र	16
संस्कृत	10
समाजशास्त्र	40
अप्लाइड इकोनॉमिक्स	14
कॉमर्स	21
लॉ	38
बॉटनी	19
केमिस्ट्री	23
जियोलॉजी	11
मैथ	15
फिजिक्स	42
स्टैटिक्स	10
जूलॉजी	22

JAGRAN CITY PAGE I

बनाएंगे कार्ययोजना | एलयू वीसी प्रो. आलोक कुमार राय ने बनाई टास्क फोर्स, बनाएगी विजन डॉक्यूमेंट

विजन 2047 पर लविवि ने शुरू किया काम

● ऋषि मिश्र

लविवि का स्वरूप आजादी के 100 साल पूरे होने पर क्या होगा, इसको लेकर विजन 2047 की जो अवधारणा पीएम नरेंद्र मोदी ने दी है, उस पर काम शुरू हो गया है। कुलपति ने इस संबंध में एक पांच सदस्यीय टास्क फोर्स का गठन करने की घोषणा की है। इस टास्क फोर्स का काम विजन 2047 को लेकर पूरी कार्ययोजना बनाना है। बहुत जल्द ही यह अपने कामों की रिपोर्ट वीसी प्रो. आलोक कुमार राय को देगी। एक और टास्क फोर्स का गठन किया जा रहा है जो लविवि के आधिपत्य वाले पांच जिलों में स्थानीय परंपरागत उत्पादों पर नजर रखेगी।

प्रधानमंत्री की इच्छा के मुताबिक परंपरागत उत्पादों पर लविवि अपने स्तर पर काम करेगा। इसमें उनके बारे में कोर्स और शोध किए जाएंगे, ताकि प्रबंधन के जरिये ये उत्पाद आगे बढ़ाए जा सकें। पीएम नरेंद्र मोदी ने लविवि के स्थापना दिवस समारोह के दौरान कहा था कि लविवि अपने 100 साल बिता चुका है, इसलिए अब जरूरी है कि एक विजन-2047 बनाया जाए। कुलपति ने बताया कि हम दो टास्क फोर्स बना रहे हैं। पहली विजन 2047 पर काम करेगी, जो 25 साल के लिए एक रोडमैप प्रस्तुत करेगी। इस कमेटी के अध्यक्ष प्रो. नवीन कुमार खरे हैं। प्रो. पूनम टंडन, प्रो. राकेश चंद्रा, प्रो. अमिता कनौजिया, डा. समीर शर्मा और डा. वरुण चांचड़ टीम में शामिल हैं। कुलपति ने बताया कि दूसरी टास्क फोर्स में दो सदस्य होंगे। हमारे अधीन पांच जिलों के कालेज हैं। इस टास्क फोर्स के भीतर एक कोर कमेटी होगी और इसके भीतर पांच सब कमेटियां काम करेंगी। इसमें हर जिले से दो लोग होंगे। कोर कमेटी की अध्यक्ष शिक्षा विभाग की प्रो. अमिता बाजपेई, सांख्यिकी विभाग के प्रो. राजीव पांडेय और अंग्रेजी विभाग के प्रो आरपी सिंह शामिल होंगे।

ब्रांडिंग पर होगा काम

कुलपति ने बताया कि स्थानीय परंपरागत उत्पादों में वैल्यू एडीशन और ब्रांडिंग विश्वविद्यालय स्तर पर किस तरह से किया जा सकता है, इस पर काम होगा। इसमें शोध की संभावनाओं और नए कोर्स शुरू करने पर पूरी कार्ययोजना तैयार की जाएगी।

दिसंबर से शुरू हो सकेगी पढ़ाई

लविवि में नियमित पढ़ाई एक या दो दिसंबर से शुरू होगी। पहले योजना थी कि परिसर को 27 नवंबर से खोल दिया जाए, मगर पूरे दिन के मंथन के बाद परिसर को न खोलने का निर्णय लिया गया है। स्थापना दिवस समारोह को लेकर परिसर में 19 नवंबर से पढ़ाई बंद थी। स्थापना दिवस समारोह समाप्त होने के बाद तय किया गया था कि परिसर 27 नवंबर को खोला जाएगा, मगर समारोह समाप्त होने के बाद स्थिति बदल गई है। 27 यानी शुक्रवार को स्थानीय अवकाश है। लविवि के कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि समारोह के बाद एक दिन का अवकाश लेने की परंपरा है, इसलिए 28 नवंबर को लविवि बंद किया जा रहा है। 29 को रविवार और 30 को कार्तिक पूर्णिमा का अवकाश है। एक दिसंबर को स्नातक और शिक्षक विधान परिषद सदस्य का चुनाव है। उसमें भी लविवि बंद रह सकता है।

लविवि की वेबसाइट पर अपलोड की गई अस्थाई पदक सूची

लविवि की वेबसाइट www.lkouniv.ac.in पर 2020 दीक्षा समारोह को लेकर विस्तृत सूची अपलोड की गई है। इसमें वरीयता के हिसाब से पदकों की अस्थाई सूची अपलोड की गई है। परीक्षा नियंत्रक डा. एमके सक्सेना ने बताया कि यदि किसी को पदक के लिए चुने गए विद्यार्थियों को लेकर कोई आपत्ति है तो सात दिसंबर तक लविवि के परीक्षा नियंत्रक कार्यालय में आपत्ति दर्ज करा सकते हैं।

राज्यपाल ने एलयू वीसी को भेजी गीता : लविवि के शताब्दी महोत्सव के सफल आयोजन पर राज्यपाल एवं लविवि की कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय को गीता उपहारस्वरूप भेजी। उन्होंने कुलपति और विश्वविद्यालय परिवार की सराहना की। विश्वविद्यालय ने पिछले सात दिनों में लोक गीत, नाटक, विभिन्न नृत्य के कार्यक्रम, कला व विज्ञान महोत्सव समेत, दीक्षा समारोह का भी आयोजन किया।

HINDUSTAN PAGE 4

अंग्रेजी के लेक्चर को चुनौती मान सीखी भाषा

लखनऊ विश्वविद्यालय 100 साल | कुछ यादें कुछ किस्से (8)

प्रो. मो. मुजम्मिल

जुलाई 1972 में एमए अर्थशास्त्र में दाखिला लिया। सुलतानपुर के एक कॉलेज से बीए करके आया था। वहां हम सारे लेक्चर हिंदी में होते थे, विश्वविद्यालय में स्थितियां बिल्कुल अलग मिलीं। पूरी क्लास अंग्रेजी में थी। कुछ दिन तक तो समझ में ही नहीं आया, टीचर क्या पढ़ा रहे हैं। यहां अस्तित्व का सवाल खड़ा हो गया।

इसे एक चुनौती के रूप में लिया। उस समय गूगल तो था नहीं, इसलिए डिक्शनरी का सहारा लिया। क्लास में टीचर जो अंग्रेजी में बोलते और जो शब्द समझ में नहीं आता, उसे लिख लेते थे। रात में कमरे में बैठकर घंटों उन शब्दों पर मशक्कत होती रहती। महीना दो महीना लगा...लेकिन टीचर के बोलने का लहजा समझ आने लगा।

जब मैं एलयू से एमए कर रहा था, उस दौरान प्रो. वीर बहादुर सिंह हम लोगों को पढ़ाते थे, वो राज्यसभा के सदस्य भी थे। वह अक्सर लखनऊ मेल से दिल्ली से आते और 8.30 बजे लखनऊ उतरकर सीधे 9.30 बजे की क्लास में चले आते थे। राज्यसभा में तब इंदिरा गांधी के भाषणों को उनके शब्दों में सुना करते। उनसे हमने काम करना सीखा। इन यादों को कभी नहीं भुलाया जा सकता। इसलिए जब मौका मिलता है तो एलयू पहुंच जाता हूं। 1974 में टॉपर था और गोल्ड मेडलिस्ट भी। यहां पर नवम्बर 1974 में लेक्चरर के रूप में ज्वाइन भी किया।

प्रो. मो. मुजम्मिल डॉ भीमराव अम्बेडकर यूनिवर्सिटी, आगरा के पूर्व कुलपति हैं।

ईडब्ल्यूएस लागू होने से बढ़ेंगी सीटें, दिसम्बर के पहले सप्ताह में होगी प्रक्रिया

पीएचडी की करीब 30 सीटें बढ़ेंगी

लखनऊ विवि

लखनऊ | वरिष्ठ संवाददाता

लखनऊ विश्वविद्यालय में इस साल पीएचडी की करीब 30 अतिरिक्त सीटों पर दाखिले होंगे। आर्थिक रूप से कमजोर वर्ग के लिए आरक्षण लागू होने से यह लाभ मिलेगा। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि सीट की गणना अंतिम चरण में पहुंच गई है। दिसम्बर के पहले सप्ताह में प्रवेश की प्रक्रिया पर लगी रोक हटाने की तैयारी है।

लखनऊ विश्वविद्यालय में बीते दिनों पीएचडी में ईडब्ल्यूएस वर्ग में आरक्षण न दिए जाने के कारण विवाद खड़ा हो गया था। विश्वविद्यालय ने आवेदन में विकल्प भरवाने के बाद भी गरीब सवर्णों को आरक्षण का लाभ नहीं दिया था। इसके लेकर सवाल खड़े होने लगे। शुरुआती चरण में विश्वविद्यालय प्रशासन ने बचने की कोशिश की। लेकिन अभ्यर्थियों की आपत्ति के बाद विश्वविद्यालय प्रशासन ने दाखिले की प्रक्रिया को रोक कर उसकी समीक्षा की और इस आरक्षण को लागू करने का फैसला लिया। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि जिन विभागों में 10 या उससे ज्यादा सीट हैं उनमें ईडब्ल्यूएस वर्ग के अभ्यर्थियों को आरक्षण का लाभ मिलेगा। सीट का ब्योरा जल्द जारी किया जाएगा। उन्होंने बताया कि करीब 25 से 30 सीटें बढ़ने की उम्मीद है। साफ किया कि छात्रहित को देखकर प्रवेश प्रक्रिया को रोका गया है। इसे जल्द शुरू किया जाएगा।

इन विभागों में हैं दस या उससे ज्यादा सीटें

● अर्थशास्त्र: 16 ● अंग्रेजी: 21 ● हिन्दी: 40 ● पर्शियन: 10 ● दर्शनशास्त्र: 16 ● संस्कृत: 10 ● समाजशास्त्र: 40 ● अप्लाइड इकोनॉमिक्स: 14 ● वाणिज्य: 21 ● विधि: 38 ● बॉटनी: 19 ● केमिस्ट्री: 23 ● जियोलॉजी: 11 ● गणित: 15 ● फिजिक्स: 42 ● सांख्यिकी: 10 ● जूलॉजी: 22

होनहारों की सूची जारी की एलयू ने

एलयू के इस साल के दीक्षांत समारोह में मेरिट के आधार पर दिए जाने वाले पदकों की प्रस्तावित सूची गुरुवार को जारी कर दी गई है। सूची विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर अपलोड है। छात्रों से 7 दिसम्बर तक आपत्तियां मांगी गई हैं। उसके आधार पर अन्तिम सूची जारी की जाएगी। कुलपति प्रो. आलोक कुमार राय ने बताया कि इस बार पदक वितरण की प्रक्रिया को विकेन्द्रिकृत करने का फैसला लिया गया है। विभाग के स्तर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन करके पदक दिए जाएंगे।

हर्षिता के नाम 12 मेडल

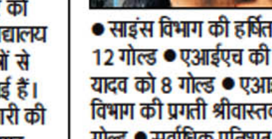

● साइंस विभाग की हर्षिता दुबे को 12 गोल्ड ● एआईएच की सरिता यादव को 8 गोल्ड ● एआईएच विभाग की प्रगती श्रीवास्तव को 8 गोल्ड ● सर्वाधिक प्रतिशत व बेस्ट स्टूडेंट के लिए चारू बजाज को भास्कर आत्माराम दियोधर मेमोरियल गोल्ड, सुग्गा बीबी समेत दो अन्य गोल्ड ● उर्दू में सर्वाधिक प्रतिशत पर मो. तौफीक को गोल्ड

एलयू को राज भवन ने भेजे उपहार

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के शताब्दी वर्ष समारोह के सफल आयोजन पर गुरुवार को राजभवन की ओर से कुलपति आलोक कुमार राय को उपहार भेजा गया। कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल ने कुलपति माननीय प्रो.आलोक कुमार राय को श्रीमद् भगवद्गीता उपहार में भेजी। उन्होंने विश्वविद्यालय को सफल आयोजन के लिए बधाई दी। लखनऊ विश्वविद्यालय का शताब्दी वर्ष समारोह 19 से 25 नवंबर के बीच आयोजित किया गया।

PIONEER PAGE 3

एलयू दीक्षांत समारोह

हर्षिता को सबसे ज्यादा 12 मेडल

सरिता और प्रगति को सबसे ज्यादा 8-8 मेडल

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने गुरुवार को दीक्षांत समारोह के दिए जाने वाले शेष मेडलों की लिस्ट जारी कर दी है। यूनिवर्सिटी की ओर से अभी प्रस्तावित लिस्ट जारी की गई है। लिस्ट यूनिवर्सिटी की बेवसाइट पर अपलोड कर दी गई है। प्रस्तावित लिस्ट पर स्टूडेंट्स सात दिसंबर तक आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं। इसके बाद आई आपत्तियों को दूर कर फाइनल लिस्ट जारी की जाएगी।

इन सभी टॉपर्स को विभाग स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन करके मेडल प्रदान किये जायेंगे। इस बार एलयू प्रशासन ने 21 नवंबर को अपना 63वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया था। जिसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंच से 15 स्टूडेंट्स को मेडल प्रदान किया था। शेष स्टूडेंट्स को मेडल बाद में विभाग स्तर पर दिए जाना था। यूनिवर्सिटी के एग्जाम कंट्रोलर डॉ. एएम सक्सेना ने बताया कि यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मेडल की संख्या करीब 196 थी। जिसमें से 15 टॉपर्स को शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान आयोजित दीक्षांत के मुख्य कार्यक्रम में मेडल्स दिए गए। अब कुल 181 पदक बचे। वहीं सात मेडल ऐसे पाठ्यक्रमों के हैं जिनमें स्टूडेंट्स इस बार नहीं मिले हैंए इसलिए अब कुल 174 को ही मेडल दिए जाएंगे।

137 मेडल पर गर्ल्स और 37 पर ब्वॉयज का कब्जा

इस बार जो 174 मेडल यूनिवर्सिटी देने जा रही हैं। जिसमें से 62 गर्ल्स ने 137 मेडल पर कब्जा जमाया है जबकि 25 ब्वॉयज के खाते में केवल 37 मेडल ही आए हैं।

इन्हें मिले सबसे ज्यादा मेडल:. साइंस विभाग की हर्षिता दुबे को डॉ. एन सिंह, इकबाल नरायण श्रीवास्तवा मेमोरियल समेत 12 गोल्ड मेडल मिलेंगे। एआईएच विभाग की सरिता यादव को त्रीलोकीनाथ मेमोरियल, रायबहादु प्रज्ञा दयाल समेत समेत 8 गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। एआईएच विभाग की प्रगती श्रीवास्तवा बाबू महावीर प्रसाद मेमोरियल, श्री द्वारका प्रसाद निगम समेत 8 गोल्ड मेडल मिलेंगे। परीक्षा में सर्वाधिक प्रतिशत व बेस्ट स्टूडेंट के लिए विद्यांत गोल्ड मेडल सहित छह मेडल जया कुमारी को दिया जाएगा। एमए में सबसे अधिक मार्क्स लाने के लिए विमला आनंद गोल्ड मेडल सहित कुल छह मेडल अनम खान को दिया जाएगा।

दिसम्बर के पहले सप्ताह से आम छात्रों के लिए खुलेगा लविवि

कोविड के दौर में तकरीबन आठ माह से ऑनलाइन पैटर्न पर चल रही शिक्षण व्यवस्था के बीच 17 हजार स्टूडेंट्स के लिए लखनऊ विश्वविद्यालय के ताले दिसम्बर के पहले सप्ताह से खुल जाएंगे। हालांकि औपचारिक तौर पर विवि प्रशासन ने कोई तिथि नहीं जारी की है। पर विवि के खुलने के बाद एक दिन में 50 फीसदी ही स्टूडेंट्स परिसर बुलाये जाएंगे। वही ऑनलाइन पैटर्न पर पढ़ाई जारी रहेगी।

AMRIT VICHAR PAGE 2

एलयू ने जारी की मेडल सूची

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के वर्ष 2020 के दीक्षांत समारोह में मेरिट के आधार पर दिए जाने वाले पदकों का प्रस्तावित सूची गुरुवार को जारी कर दी गई है। यह सूची विश्वविद्यालय की बेवसाइट पर अपलोड की गई है। इस सूची पर छात्रों से सात दिसंबर तक आपत्तियां मांगी गई हैं। उसके आधार पर अन्तिम सूची जारी की जाएगी। विश्वविद्यालय के परीक्षा नियंत्रक डॉ. एएम सक्सेना ने बताया कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में पदकों की संख्या करीब 196 थी। 15 को बीते 21 नवम्बर को दिए गए थे। अब 181 पदक बचे। सात पदक ऐसे पाठ्यक्रमों के हैं जिनमें छात्र ही नहीं हैं। कुल 174 को पदक दिए जाने हैं। वहीं कुलपति प्रोफेसर आलोक कुमार राय ने बताया कि इस बार पदक वितरण की प्रक्रिया को विकेन्द्रिकृत करने का फैसला लिया गया है। विभाग के स्तर पर विशेष कार्यक्रम का आयोजन करके पदक दिए जाएंगे।

VOICE OF LUCKNOW PAGE 4

एलयू दीक्षांत में हर्षिता को सबसे ज्यादा 12 मेडल

वरिष्ठ संवाददाता(vol)

लखनऊ। लखनऊ यूनिवर्सिटी की ओर से दीक्षांत समारोह में दिए जाने वाले मेडल शेष मेडल लिस्ट जारी कर दी हैं। यूनिवर्सिटी की ओर से अभी प्रस्तावित लिस्ट जारी की गई है। लिस्ट यूनिवर्सिटी की बेवसाइट पर अपलोड कर दी गई है। प्रस्तावित लिस्ट पर स्टूडेंट्स सात दिसंबर तक आपत्तियां दर्ज करा सकते हैं, इसके बाद आई आपत्तियों को दूर कर फाइनल लिस्ट जारी कर दिया जाएगा, इन सभी टॉपर्स को विभाग स्तर पर कार्यक्रम का आयोजन करके मेडल प्रदान किए जाएंगे।

174 मेडल की सूची जारी: एलयू प्रशासन ने 21 नवंबर को अपना 63वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया था, जिसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मंच से 15 स्टूडेंट्स को मेडल प्रदान किया था, शेष स्टूडेंट्स को मेडल बाद में विभाग स्तर पर दिए जाना था। यूनिवर्सिटी के एग्जाम कंट्रोलर डॉ. एएम सक्सेना ने बताया कि यूनिवर्सिटी के दीक्षांत समारोह में मेडल की संख्या करीब 196 थी, जिसमें से 15 टॉपर्स को शताब्दी वर्ष समारोह के दौरान आयोजित दीक्षांत के मुख्य कार्यक्रम में मेडल्स दिए गए, अब कुल 181 पदक बचे, वहीं सात मेडल ऐसे पाठ्यक्रमों के हैं जिनमें स्टूडेंट्स इस बार नहीं मिले हैं। इसलिए अब कुल 174 को ही मेडल दिए जाएंगे।

137 मेडल पर गर्ल्स और 37 पर ब्वॉयज: इस बार जो 174 मेडल यूनिवर्सिटी देने जा रहा है, जिसमें से 62 गर्ल्स को 137 मेडल पर कब्जा जमाया है, जबकि 25 ब्वॉयज के खाते में केवल 37 मेडल ही आए हैं।

इन्हे मिले सबसे ज्यादा मेडल: साइंस विभाग की हर्षिता दुबे को डॉ. एन सिंह, इकबाल नरायण श्रीवास्तवा मेमोरियल समेत 12 गोल्ड मेडल मिलेंगे। एआईएच विभाग की सरिता यादव को त्रीलोकीनाथ मेमोरियल, रायबहादु प्रज्ञा दयाल समेत समेत 8 गोल्ड मेडल दिए जाएंगे। एआईएच विभाग की प्रगती श्रीवास्तव बाबू महावीर प्रसाद मेमोरियलए श्री द्वारका प्रसाद निगम समेत8 गोल्ड मेडल मिलेंगे। परीक्षा में सर्वाधिक प्रतिशत व बेस्ट स्टूडेंट के लिए विद्यांत गोल्ड मेडल सहित छह मेडल जया कुमारी को दिया जाएगा। एमए में सबसे अधिक मार्क्स लाने के लिए विमला आनंद गोल्ड मेडल सहित कुल छह मेडल अनम खान को दिया जाएगा।

VISHWAVARTA PAGE 3

लविवि | सरिता और प्रगति दूसरे नम्बर पर, 8-8 मेडल मिले, मेडलों की सूची जारी हुई

लविवि की मेडल सूची में हर्षिता को सर्वाधिक 12 मेडल

» कुल 137 मेडल पर छात्राओं का होगा कब्जा, छात्रों के हाथ लगे मात्र 37 मेडल
» लविवि और कॉलेजों के मेधावियों को मिलेंगे 174 मेडल, जबकि सात मेडल के लिए कोई नहीं मिला छात्र
» मेडल सूची पर सात दिसम्बर तक छात्र आपत्ति दर्ज करा सकेंगे

विश्ववार्ता संवाददाता

लखनऊ। विश्वविद्यालय शताब्दी दीक्षांत समारोह में 15 छात्र-छात्राओं को मेडल दिए जाने के बाद शेष 174 मेडल की सूची जारी कर दी है। यह सूची प्रस्तावित है। पूरी सूची विश्वविद्याय की वेबसाइट पर परीक्षा विभाग ने अपलोड कर दी है। परीक्षा नियंत्रक के अनुसार इस सूची पर छात्र-छात्राएं सात दिसम्बर तक अपनी आपत्ति दर्ज करा सकते हैं। आपत्तियों के निस्तारण के बाद अन्तिम मेडल सूची जारी की जाएगी। अन्तिम मेडल सूची में शामिल छात्र-छात्राओं को विभाग स्तर पर कार्यक्रम आयोजित कर उन्हें मेडल दिया जाएगा। इसकी तिथि बाद में घोषित की जाएगी।

174 मेडल की सूची जारी हुई

लखनऊ विश्वविद्यालय प्रशासन ने 21 नवम्बर को शताब्दी समारोह के बीच अपना 63वां दीक्षांत समारोह आयोजित किया था। इसमें मुख्य अतिथि राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने मालवीय हाल में 15 मेधावियों को मेडल दिए थे।। शेष मेधावियों को मेडल बाद में विभाग स्तर पर दिए जाने की बात विवि प्रशासन ने कही थी। परीक्षा नियंत्रक डॉ. एएम सक्सेना ने बताया कि विश्वविद्यालय के दीक्षांत समारोह में मेडल की संख्या करीब 196 थी। जिसमें से 15 मेधावियों को शताब्दी वर्ष समारोह के बीच आयोजित शताब्दी दीक्षांत समारोह में मेडल प्रदान किया गया है। इस तरह अब कुल 181 पदक बचे। इसमें से सात मेडल ऐसे पाठ्यक्रमों के हैं। जिसके लिए इस बार एक भी छात्र-छात्राएं नहीं मिले हैं, लिहाजा अब कुल 174 को ही मेडल मेधावियों को दिए जाएंगे।

137 मेडल पर छात्राओं और 37 पर छात्रों का कब्जा

शताब्दी समारोह के बाद विवि विभाग स्तर पर होने वाले कार्यक्रम में 174 मेडल मेधावियों को प्रदान करेगा। इसमें से 62 छात्राओं का 137 मेडल पर कब्जा होगा। वहीं 25 छात्रों को मात्र 37 मेडल ही मिलेंगे।

इन्हे मिले सबसे अधिक मेडल

● साइंस विभाग की हर्षिता दुबे को डॉ. एन सिंह, इकबाल नरायण श्रीवास्तवा मेमोरियल मेडल सहित 12 गोल्ड मेडल
● एआईएच विभाग की सरिता यादव को त्रीलोकीनाथ मेमोरियल, रायबहादुर प्रज्ञा दयाल मेडल सहित 8 गोल्ड मेडल
● एआईएच विभाग की प्रगती श्रीवास्तव को बाबू महावीर प्रसाद मेमोरियल, श्री द्वारका प्रसाद निगम मेडल सहित 8 गोल्ड मेडल
● जया कुमारी को परीक्षा में सर्वाधिक अंक हासिल करने और सर्वश्रेष्ठ विद्यार्थी के लिए विद्यांत गोल्ड मेडल सहित छह मेडल
● अनम खान को एमए में सर्वाधिक अंक लाने के लिए विमला आनंद गोल्ड मेडल सहित कुल छह मेडल।

TOI PAGE 3

Girl students bag lion's share of LU medals, win 137 of total 174

Times News Network

Lucknow: Nine girl students of Lucknow University have clinched 66 medals of total 174 medals to be awarded to meritorious students of various undergraduate and postgraduate courses.

Harshita Dubey of MSc in Mathematics has bagged maximum 14 medals. Overall, 79% of the total medals have been grabbed by girls, while boys got 21%.

LU awards a total of 196 medals in various streams and subjects. While 15 medals instituted by university were distributed in the convocation on November 21, seven are not being awarded this year because no candidate was found suitable.

The tentative list of the remaining 174 was uploaded on LU website on Thursday evening. Of these, 137 have gone to girls and 37 have been claimed by boys.

"We have invited objections from students against the names in the tentative list by December 7. Thereafter, a scrutiny will be done and final tally will be released. A separate function will be held to award these medals," said LU spokesperson Durgesh Srivastava.

Highest number of 14 medals have been bagged by postgraduate mathematics student Harshita Dubey, who had already been awarded two Chancellor's silver medals — one for being the best women student of the university and the other for being the best student among all PG students — in the convocation.

Now, she will get 12 more medals, including prestigious Dr AN Singh gold medal given to student scoring highest marks in Mathematics along with others for scoring highest marks in all semesters, for standing first in MSc, for being the overall successful women student in the university and scoring highest marks in the paper of fluid mechanics among others.

Shambhavi Pandey (BA) and Sarita Yadav (MA) have bagged 10 medals each, while law student Pragati Srivastava got eight and Jaya Kumari (MSc) has claimed seven medals. Anam Khan (MA Social Work) has grabbed six medals and Priyanshi Raj (MA Economic) five.

"A single student is able to win more than one medal or even 10-12 medals in a course because there are several sponsored medals which are awarded to students for scoring high in a subject," said an LU official.

IN THE HALL OF FAME

Name of student	Number of medals won
Harshita Dubey (MSc)	14 medals
Shambhavi Pandey	10
Sarita Yadav (MA)	10
Pragati Srivastava (LLB)	8
Jaya Kumari (MSc)	7
Anam Khan (MA)	6
Priyanshi Raj	5

Rare collections from Mughal, British eras draw students to spl exhibition

Vedanta Agarwal | TNN

Lucknow: A spectacle of antique coins, stamps and rare documents of historical significance exhibited by the department of medieval and modern history of Lucknow University was a huge draw among students and faculty during the centenary celebrations.

One of the most valuable exhibits wasthe only original manuscript of the medieval Indian chronicle 'Tarikh-i-Firoz Shahi' composed by court thinker of the Delhi Sultanate Ziauddin Barni. Among the other treasured documents is the original facsimile of 'Diwan-i-Babur', 'Razmnama', the Persian translation of the Mahabharata and a copy of the Magna Carta, the royal charter of rights.

"The exhibition was a one-of-a-kind learning experience for our budding historians and students at large," said Prof Shama Mahmood, head of the department.

A section which caught attention of the visitors was the exclusive coin collection which included coins from medieval period including some very unique mints from British India. The array of stamps from the freedom movement and a collection from the East India Company archives owned by Bijoy Charterjee was equally appreciated at the exhibition.

One section was dedicated specifically to the revolt of 1857 and how the Residency and many other parts of the university had played a role in the uprising had the students completely engrossed. An illustration of the Padshahnama was equally awe inspiring.

"For me, the most interesting part of the exhibition was the demonstration of the evolution of Lucknow University from its time in Aminabad to what it is today. I hope that the efforts of our faculty members would encourage the students towards authenticity in learning," said Prof SA Rizvi, former head of the department.

V Sunil

Collections were on display during the centenary celebrations this week